

DPN 6516

महालक्ष्मीव्रत / MAHĀLAKṢMĪVRATA

Title :

Run. No. 7241

Cat. No. 109

Micro. No.

Subject *Karmakāṇḍa*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : *Skt.* / New. / Nep. / *Skt.*- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 19.5 X 7

Folios 20

Lines (in a page) 16 / 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : *New.* / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / *thyaśaphu* /

Condition : *fine* / damaged by worms, rats, water / *Both side yellow*

Beginning, colophon, post-colophon :

श्रीमहा लक्ष्मीव्रत

20

15

10

5

0 cmts. 5 10 15 20 25 30

निर्माचूनकथाया
 दु॥ वदितुं न विवृ
 यं निरुधित॥ पुत्र
 वं न न्यासादिकं द्वा
 नपोलादिकं पुत्र
 पित्रा॥ ॥ गतवा
 सने॥ मसालक्रास
 मागचूयमनार
 पदादिहायचोप
 हात्रयुक्त्यलस
 थो॥ धविकल्लिगा॥
 ॥ सुयन॥ ॥ अल
 यस्तुदिकथितं क
 मल्लकमलालं क
 मल्लकमललसि
 वं॥ सिद्धिमल्लप
 यीकुरु॥ अवाह
 नादि॥ ॥ नवादि

वादकिलमभुल
 मैदकोलीपुत्र
 येत॥ ॥ अवाह
 कयेनमशो॥ अ
 नासतापर॥ ॥ प्रता
 सतापर॥ ॥ पुत्र
 सतापर॥ ॥ पुत्र
 पर॥ ॥ कल्लुकार
 ॥ कल्लुकार
 का॥ ॥ मसाल
 ल्ये॥ ॥ अवाह
 सतापर॥ ॥ पुत्र
 लसतापर॥ ॥ पु
 यो॥ मसाल
 का॥ ॥ अवाह
 सतापर॥ ॥ पुत्र
 म॥ ॥ अवाह
 ॥ ॥

ॐ निर्माय कारुव
 दनी चन्द मन्द नि
 वधनी कपालमा
 लितो देवा मूलु
 खेदाङ्ग धर्म लोता
 गय शायवा तासु
 यतवा दन गमिना
 मम दायो पंचद धाते
 दातुके तुम मविता
 काली कपालवपना
 ध्याता लीपु पुङ्गव
 ॥ ॐ नमो साका लोतमः
 ३ ॥ ॥ हृदया दियुजन्
 ॥ आवा ददि चन्द ज
 रत पूषा धूप द्या
 पत्न्य आदिके दवा
 जाया ॥ सा नमस्तु

या ॥ ॥ दवा वादम
 हाग को मायाय
 कथन ॥ ॥ आ धव
 भक्त धनमः ॥ ॐ
 जनका सनाय ॥ ॐ
 मयना सनाय ॥ ॐ
 यदाय ॥ ॐ यदाय
 ॐ कर्मभार ॥ ॐ कर्म
 काये ॥ ॐ को माया
 रा ॥ ॐ भक्तिदसाये ॥
 ॐ मयुज वादनाये ॥
 ॐ सेन्या विपत्तये ॥
 ॐ कुम्भानुदायये ॥
 ॐ गुह्य श्रेय ॥ ॐ ला
 दितव ल्पये ॥ ॐ वा
 भूषये ॥ ॐ क्षमा
 या सनाय नमः ॥

ॐ मलालसा श्रुसन् ॥
 आन ॥ ॐ सा वल्ल
 वल्ल दापाङ्गांति
 नगसिंदवापना
 ॥ ॐ धृष्टसिगां
 पवोनालायुलद
 लक्ष्मी ॥ धाउभृकु
 रुजाका नां सर्वा
 लंकालरुषिगां
 खर्जधर्माभरभृ
 गुतिभूलयद्रम
 वचदक्षिणनधु
 तथैव वचदक्ष
 दायिता ॥ नभय
 प्रलक्ष्मनख
 दक्षिणिलिनधन

॥ कामभूलंकपा
 लक्ष्मिपुष्कराय
 भवच ॥ डादलमा
 तीतजोरुतगावा
 द्वादकामिना ॥ ॐ
 आलामदादवांय
 यत्नेनयपूजय ॥ ॥
 तिलीरुलि ॥ ॥
 ॐ द्वांसललश्रीत
 मभाडापरयम
 भवरायादिडादद
 प्रादिपूजन ॥ ॥
 नतधाराभलसा
 पूजा ॥ ॥ सर्वल
 श्रीतमभा ॥ विष्णु
 लश्रीतम ॥ ॐ

[illegible]

ताथै॥ ॐ ऊँ रु श्री॥
 ॐ श्री रु श्री॥ ॐ मा रु
 श्री॥ ॐ अ क र्षे न्ने
 नमः॥ ॥ त त ४ पू र्वा
 दिन पू र्त्त॥ ॐ वा
 माथै तमः॥ ॐ ऊँ
 वाथै तमः॥ ॐ नो
 श्री॥ ॐ का लो र॥
 ॐ क ल वि क ल्ने र॥
 ॐ व ल वि क ल्ने र॥
 ॐ व ल य थ मे नो र॥
 ॐ स र्व ह र्द म न्ने
 र॥ ॐ ॥ ॐ म न्ना म
 श्री॥ अ वा स दि॥
 ॐ व क्का य न्ने र॥
 ॐ मा रु श्री॥ ॐ
 का मा थै र॥ ॐ वृ ष
 श्री॥ ॐ वा ना थै र॥

20

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25

30



20

15

10

5

0

cmts.

5

10

15

20

25

30



ॐ नमः ॥ ॐ सुम
हामसादधो नमः
ॐ निमावतामहा
दधो नमः ॥ ॐ दूसा
लमहादधो नमः
ॐ धालमसादधो
नमः ॥ ॐ विल्लम
सादधो नमः ॥
ग्रावाहनादि ।
ॐ गलपतयन
मः ॥ ॐ कुमानाय
नमः ॥ ॐ वटका
यनमः ॥ ॐ रुम्
धनयनमः ॥
ग्राग्रायादि ॐ ॥
तार्ककाल ॥ ॥

ग्रावाहनादि ॥ ॥
ततश्चनयुजा ॥ ॥
ॐ अनतायनमः ॥
ॐ तदुकायनमः ॥
ॐ ककोटकायनमः ॥
ॐ भस्वयालयनमः ॥
ॐ कलिकायनमः ॥
ॐ यक्षायनमः ॥
ॐ महायक्षायनमः ॥
ॐ वासुकिनमः ॥
ॐ ब्रह्मकुलतागरा
जयनमः ॥ ॐ क्रात्रय
मुद्रायनमः ॥ ॐ द्वा
नसमुद्रायनमः ॥
ॐ दधिसमुद्रायनमः ॥
ॐ सविद्रायनमः ॥
सम्

आरुनादि १०

ॐ ह्रीं सुसुदायन

म॥ ॐ नमो नमः

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ सुसुदायनम॥

ॐ अमृताम्बुजाय नमः
ॐ महालक्ष्मीशक्ति
सहिताय नमः ॐ
संपुष्पकलाम्बुजाय
नमः ॥

आवाहनादि ॥ चन्द
न यज्ञाय विनमः ॥
॥ गंगा
गलपतिपूजा ॥

ॐ गलपयन्त नमः
ॐ विष्णुस्वभाय नमः ॥
ॐ एकदन्ताय नमः ॥
ॐ मुखवारुणाय नमः ॥
ॐ ललाटाय नमः ॥
ॐ गङ्गावतीय नमः ॥
ॐ यन्त्रगुरु सायरा
ॐ सिद्धिविनायका
य नमः ॐ गङ्गासु
तायरा ॐ पार्वती
सदयानन्दायरा

ॐ उतैर्पञ्चागविद्युः
नायरा ॐ मनवायु
सिद्धिदाय नमः ॥

आवाहनादि ॥ चन्द्र
न यज्ञाय विनमः ॥
न गङ्गागुप्तपूजा ॥

ॐ नमोऽय नमः ॐ रु
द्राय नमः ॐ सुम
नस्य नमः ॐ सु
शीलाय नमः ॐ सु

गम्य नमः ॐ कुं
तमाय नमः ॐ य
वेगमय नमः ॥
आवाहनादि ॥ ॥

चन्दन यज्ञाय विनमः
य ॥ ॥ गङ्गाका
षायाय नमः ॥

ॐ वक्राय नमः ॥
ॐ मादयैरा ॐ
कीमायैरा ॐ वैष्ण

श्री॥ हुं वाराक्षर॥ हुं
 ॐ दायलभोर॥ हुं च
 मूलयार॥ हुं मला
 लङ्गेनमः॥ हुं नव
 दुर्गायेतमः॥ हुं प
 नाशकथनमः॥ हुं
 भक्तिधरायैर॥ हुं स
 पूरासतायेनमः॥ हुं
 प्रकलायनायैर॥ हुं
 वामनदूयायैर॥ हुं
 कौमात्रासूर्ययैर॥
 शुभावातायि॥ चदन
 ॥ यक्षायवीरपुष्पाय॥
 तन्नालियूजा॥ ॥
 हुं वकादजनधनु
 गुपालाय॥ ॐ सा
 पूजानलिगृहकारसारु॥
 हुं प्रकटकेणनाम

गुणया लायवलि
 गृह्णस्वाहा॥ ॐ
 लं वाव नामश्च गुणा
 लायवलि गृह्णस्वाहा
 ॐ न क लाय नामश्च
 गुण लायवलि गृह्ण
 स्वाहा॥ ॐ सु न डि
 कानामश्च गुणा ला
 यवलि गृह्णस्वाहा॥
 ॐ न क डि कानामश्च
 गुणा लायवलि गृह्ण
 स्वाहा॥ ॐ दि व च
 नश्च गुणा लायवलि
 गृह्णस्वाहा॥ ॐ
 स सु दि च गुणा ला
 यवलि गृह्णस्वाहा॥
 ॐ स क न क र न वा
 यवलि गृह्णस्वाहा॥
 ॐ य मा ङ म दि ष

नादवोवलि गृह
 साहा ॥ नृनपा ल
 वचलादवोवलि गृ
 करसाहा ॥ लका
 यात्रासुसीधवलि
 गृहकरसाहा ॥ गुंठा
 लं धनकोमनृ पि
 (ले) गृहकरसाहा ॥
 नृनत्र सिंहरु नवा
 यवलि गृहकरसाहा ॥
 नृगालयायवलि
 गृहकरसाहा ॥ नृकी
 मात्री माक्षमावलि
 गृहकरसाहा ॥ नृस
 वृरुतयावलि गृ
 करसाहा ॥ नृसर्व
 रुगयालयावलि गृ
 करसाहा ॥ कृपाया ४
 नृसर्व पि मथय

२४३
 वलि गृहकरसाहा ॥
 आवाहतादि ॥ ॥
 कथायडा ॥ सुया
 यतम ॥ नृसदाभि
 वायर ॥ नृतायाय
 लायर ॥ नृगुरुल
 श्रीर ॥ नृ ४४ दव
 तायेर ॥ आदनादि ॥
 यदन यक्षायवा
 यद्य ॥ नृतादवाय
 जा ॥ नृयजुसुसाय
 नमथा ॥ नृय नृसु
 येनमथा ॥ नृनरुसा
 रा ॥ नृसुग्रुसमथेर
 नृगिगुलरुसायेर
 नृयदुसुसायेन
 मथा ॥ नृवेदरुसा
 येनमथा ॥ नृरुवक
 रुसायेनमथा ॥ नृगि

20

15

10

5

मि मरु सुये तम ४०
कुं धन रु सु ये न
म ४॥ कुं क म ल
रु सु ये न म ४॥ कुं
क पाल रु सु ये न
म ४॥ कुं पू स क रु सु
ये ॥ कुं अ रु य रु सु
ये न म ४॥ आ वा रु
ना दि ॥ कुं वा न श्या न
म ४॥ कुं मू रु रु श्या
र ॥ कुं दि न श्या र ॥ कुं
रा शि श्या र ॥ कुं ति वि
श्या न म ४॥ आ वा रु
ना दि ॥ कुं अ रु धि
श्या दि न रु रु श्या न
म ४॥ वि रु सु रा दि श्या
रा श्या र ॥ कुं म या दि
दा द भ रा शि श्या न म
॥ आ वा रु ना दि ॥

कुं स उ श्या न म ४॥ कुं व रु य रा ॥ कुं स च त रा म न म ४॥ कुं सु दाल
ये न म ४॥ आ वा रु ना दि ॥ ॥ मि या रु लि ४॥ इ ॥ द द या दि ॥
मि न या इ ॥ ॥ कुं ग म दि ग मि ली क्ष न ॥ ता थ म रा रि म
मि न ॥ द न या रा ग रु म रु न ॥ या इ ग म्पु मि ग रु ना ॥ ॥ च रु द न
गु रु व रु च रु न दि व रु पु ना न ॥ द व रु शि र ॥ य अ रु लि खि त
वा रु ॥ य शि द प न म रु यि ॥ सु रु म्भ च रु द न ॥ ॥ कुं व रु म्भ रु द
व रु द रु मि ॥ न ना रु म्भ रु से र्प य न ॥ ग रु म्भ म ग ना रु म्भ ॥ स

लालङ्गीयसीदमभा ॥ व सु ॥ हुं दु क ल प ह द वा सुं ता ता व क सु ल ॥
कि न्ता या व ल रु तु स र्वा न्ता व रु स र्वा प रि व नि ष ॥ ॥ दि यो य
क्षो प वा न्ता ॥ हुं य क्षो प वा न्ता व भि व क्ता म्दा स द्वा प की ॥ आ ग भ सु
गु स क ल्ता य क्षो प वा न्ता व नि र्द र्ता ॥ ॥ आ उ भ प क्ष ॥ हुं यु का
ने ॥ आ उ भ र्वा क्ता य क्षो माला दि क्ता य य ग्ता मया द क्ता दि द्वा क्ता
॥ र्द र्ता य न्ता म भ वि ॥ ॥ मा ला प क्ष ॥ हुं मा ला नि च सु ग्ता नि ॥ मा

लाला दि नि च य ता ॥ मया द क्ता दि द्वा क्ता य य क्ता ग्ता न्ता ॥ ॥
गु ल्ता ॥ हुं मे ला क्ता वा व न्ता य ग्ता गु ल्ता दि व ल्ता ॥ ता य क्ता
कृता कृता गु ल्ता य नि र्द र्ता ॥ ॥ आ नि सान्ता ॥ हुं आ ता ता
म यि स वी ता ॥ गु क्ता ता य भ सान्ता आ ता य क्ता य ता न्ता य क्ता
स क्ता मा द क्ता ॥ य क्ता ॥ य क्ता य क्ता य क्ता य क्ता य क्ता य क्ता
य न्ता ॥ र्द र्ता ॥ म सा ल क्ता य क्ता य क्ता य क्ता य क्ता ॥ ॥

0 5 10 15 20 cmts. 5 10 15 20 25 30

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कृत्यल ॥ नालातलतदलपुष्पी नालातलसदलतल ॥ नवल
महादवीसूतलतयति गृहगतौ ॥ वाउगदुवी के न ॥ ॐ न
बोहनीपंसी सर्वपुष्पाकमकुर्मि ॥ वाउगदुवी तस्युकी मद्रो
ल ॥ सुखसुद ॥ यथाभाखाच ॥ यथादुवी तआमस ॥ लअसि
कानवृदाथ ॥ गृहानजनमध्यनि ॥ ॥ दमत ॥ ॐ यविना नप
विपर्व ॥ मदनाइसमइव ॥ महाल ॥ श्रीमहाद विदमतपति

गृहगतौ ॥ ॐ य ॥ ॐ कयादानवरुवताखाधनूपासहधनो ॥
धुयानानदवल ॥ यीयगीयनमध्वना ॥ ॥ दीय ॥ ॐ दापयति
॥ विगतल ॥ ॐ कानिदापयति ॥ ॥ दापयानतुदधवि ॥ वा
यतायनमध्वना ॥ ॥ मादनीरुय ॥ ॥ नवडा ॥ ॐ नवडागु
अतदि विमहाल ॥ श्रीयनाचिनी ॥ नतल ॥ श्रीयनुवाये
योयतासत्यकवि ॥ ॐ य ॥ ॐ य ॥ ॐ ल ॥ ॐ रा ॥ ॐ दाति
विहलनेवडा ॥ ॐ ति विसाहल ॥ नवडा ॥ ॐ दली ॥ तवडा
॥ ॐ दिकविभायागुगत ॥ ॐ नवापन ॥ ॐ नवमहाल ॥ ॐ विधीयतां ॥ ॐ नवाउ ॥ नरीयुके

ॐ नवमहाल ॥ ॐ नवापन ॥ ॐ नवमहाल ॥ ॐ विधीयतां ॥ ॐ नवाउ ॥ नरीयुके

गौतम न संवत्सोका नान्स्याल कान्मवित्तार भक्षायक न पिम्व गम्बूल प्रकिण्डक नं ॥

ॐ लङ्क क प चो न ले व डी र ॥ ॐ नाम प चो न ले व डी र ॥ ॐ त भुल
ने व डी न म ॥ ॥ त ग ८ जू य वि थ ॥ ॐ ज ड वा ना दे के ली मा स
त रु ग ॥ ॐ ० खि मा य स मा दा य सु प थ रु ल च द न । डी न
सु षा हा म व नी गू ड म य न भ भ मि स व को म पु दे द वि थ न र
सो न रा नि नि । ॐ द म स क गा यी च गू ड म य न भ भ मि स ॥
डो थ ॥ ॐ रु म र य न भ भ नी या दि ग ८ ॥ सो ग ॥ ॐ न म ८ यी म

लाल ॥ ६ विषयसुखादि न प्रसादः सदेवमा गङ्गा गङ्गा लय
 । नाक्षत्रं तावत्तु कन्या सद्गुरुं याचयव प्रवृत्तिमध्या ॥ ७ ॥ याया
 लिनान् किं स्या विषया यद्यद्गुरुं न भवत्यस्य गतं विष्णुभक्तिका
 विषयसुखादि विषयानां विषयानां यदासि विवृणुमो मुनिवद्विम्ब
 विष्णुरावा कालान् ८ सद्गुरुं न भवत्यस्य कमान् विषयसुपापनसका
 नलचि कवृत्ते न तादिव निपुणान्नतपुनरुवा ॥ किं न गुरुभाक्क
 थपुचिववयं स मूकं गेचालासिदि विनवागुन विस्नाव किं न च
 रकिं सतसातवव लुमा मि गोपुपसीदव न दकं भाग ॥

तमासु । सलङ्गि नमस्तु नमदध्याय । रुकि सुकि युदद वि नमस्तु
 यत्तमा तमभसि लासु न गगादवी वाक्कली गहर् सै रुवा कामा चोत्पक्ष
 निलङ्गि या गहर् सङ्गि नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु
 तीवर्गसमस्तु वा काली कालवदनी नमस्तु नमस्तु नमस्तु चक्र
 भवा मलादवी पत्राय नमस्तु यिनामाया वाङ् लयदवी नमस्तु दिवा
 नृपिनी याथादमियादि ॥ ॐ नमस्तु लङ्गी सुमि ८ समफा ॥
 वृत्तदालक गृदिवा ॥ ॐ नमस्तु दवदवभि सुगुगु निमिदगवा

ययुक्तससै सुय विश्वध्वनि तमासु गङ्गा सुमि ॥ ॐ कस
 खर्व मलासि विधने दोनमापिया खल्य सादा मेल लक्ष वि कभा
 मित्रगपूजनी याथादमियादि ॥ मनुलविसङ्गीर्त वाक्कली पु
 जा दकिना ॥ दव आणी बोद ॥ नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु
 नमस्तु वयाद्विनी ॥ नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु
 रुस्यन ॥ ॐ वय ० मास ॥ ॐ सप्तारधन ॥ वृजनी ॥ ॐ दवरा ॥
 रीद्रामरा ॥ ॐ निभा ताथायरा ॥ ॐ नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु